Main examination for the post of Sr. Parliamentary Reporter (Hindi)
29/11/2017

प्रश्नपत्र–1

हिंदी भाषा

समय : दो घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। उनके लिए निर्धारित अंक यथास्थान निर्दिष्ट हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर एक निबंध में लिखिए – 14
   (i) पर्यावरण और प्रदूषण
   (ii) विश्व शांति के उपाय
   (iii) जीवन में इंटरनेट की उपयोगिता
   (iv) नर हो न निराश करो मन को
   (v) भारत की बढ़ती जनसंख्या
2. मंत्रालय के वित्त विभाग में निम्न श्रेणी लिपिक (हिंदी) पद के लिए आवेदन पत्र लिखिए। 7

3. मौसम की खराबी के कारण हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में संवाददाता के रूप में नवभारत टाइम्स के संपादक के नाम सूचनात्मक समाचार लिखिए। 7

4. निम्नलिखित अनुच्छेदों का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए – 2X7 = 14

   (i) जैसे–जैसे हमारे जीवन का ढंग बदला है, ज्ञान–विज्ञान के नए क्षेत्र खुले हैं, हमारे व्यवहार के क्षेत्र में भी निरंतर विस्तार हुआ है। परिणामतः हिंदी भाषा की शब्दावली में आधुनिक ज्ञान–विज्ञान से संबद्ध अनेक शब्द सम्मिलित हो गए हैं। कुछ शब्दों के हिंदी रूप बनाए गए, कुछ ऐसे के ऐसे प्रयुक्त किए जाने लगे। आज के आदमी का ज्ञान बढ़ा है। दूरदर्शन के माध्यम से वह दुनिया भर की बातों को प्रत्यक्ष देखता–सुनता है। परिणामतः उसकी भाषा के व्यवहार क्षेत्रों में भी विस्तार होता है। यह स्थिति भाषा के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को भी प्रेरित करती है। यदि भाषा नए विचारों, ज्ञान–विज्ञानों की अभिव्यक्ति के योग्य नहीं बनती तो पिछड़ जाती है तथा कालांतर में मृत हो जाती है। अतः भाषा को युग के अनुरूप आधुनिक होना ही चाहिए। इस रूप में हिंदी भाषा के व्यवहार क्षेत्र में विस्तार हुआ है। वह आधुनिक युग की अपेक्षाओं के अनुरूप बनी है और लगातार विकसित हो रही है। अब उसमें तकनीकी शब्द हैं, तकनीकी विषयों को व्यक्त करने की शक्ति भी है। आवश्यकता है उसके मानकीकरण की।

(ii) सच्चे वीर पुरुष धीर, गंभीर और आजाद होते हैं। उनके मन की गंभीरता और शांति समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है। वे कभी चंचल नहीं होते। सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती। वे सत्वगुण के क्षीर–समुद्र में ऐसे डूबे रहते हैं कि उनको दुनिया की खबर ही नहीं होती। वे संसार के सच्चे परोपकारी होते हैं। ऐसे लोग दुनिया के तख्ते को अपनी आँख की पलकों से हलचल में डाल देते हैं। जब ये शेर की तरह जाग कर गर्जते हैं तब सदियों तक इनकी आवाज की गूंज सुनाई देती रहती है और सब आवाजें चुप हो जाती हैं। वीर की चाल की आहट कानों में आती रहती है और कभी मुझे कभी तुझे मदमत्त करती है। कभी किसी की और कभी किसी की प्राण–सारंगी वीर के हाथ से बजने लगती है।

5. आफिस में हुई राजभाषा हिंदी से संबंधित साप्ताहिक कार्यशाला का सारगर्भित विवरण (रिपोर्ट) प्रस्तुत कीजिए। 14

6. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए – 2X7 = 14

अतीत के प्रति मोह होना चाहिए, आदर होना चाहिए किंतु अंधविश्वास नहीं होना चाहिए। आज के युग में जो किसी प्रकार की संकीर्णता से आबद्ध रहना चाहता है, वह आज के संसार का नागरिक होने के अयोग्य है। हमारी संस्कृति का एक संदेश आचरण की शुद्धता है। किसी देश में काव्य, शास्त्र, दर्शन का बहुत प्रचार होने पर भी दूसरों का ख्याल रखना संस्कृति का मूल है। मनुष्य एक–दूसरे की खोज में बड़े–बड़े संगठन बनाने की ओर प्रवृत्त हुआ। भोजन और विवाह बहुत जरूरी चीजें हैं, इसके लिए दूसरों से संपर्क स्थापित करना होता है और इस प्रकार समाज की संरचना होती है। दूसरों के सुख–दुःख का ध्यान रखे बिना मानव–समाज ही नष्ट हो जाएगा। दूसरों को भी स्वयं के समान समझो। यही सामाजिकता और मानवता का मूल मंत्र है। यदि हम दूसरों के दोष देखने की आदत छोड़ दें तो हमें अपने दोष दिखाई देने लगेगें और हम अपना सुधार कर सकेंगे। इस प्रकार सारे समाज का सुधार हो जाएगा। इसलिए हमारी संस्कृति में आत्मनिरीक्षण पर बल दिया गया है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) हमारी संस्कृति का संदेश क्या है?

(iv) दूसरों से संपर्क की आवश्यकता क्यों होती है?

(v) अतीत के प्रति हमारा दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए?

(vi) समाज का सुधार किस प्रकार संभव है।

(vii) मनुष्य ने बड़े संगठन बनाना क्यों शुरू किया?

7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए – 1X10 = 10

(i) कल मेरे को दफ्तर जाना है।

(ii) तुम्हें इस बात की खबर पुलिस को देना चाहिए।

(iii) आप घर जल्दी जाओ।

(iv) लड़कियाँ किताब को पढ़ रही है।

(v) आज मेरे से खाना नहीं खाया जाएगा।

(vi) उसने गुस्से में अपने बेटे को थप्पड़ मार बैठा।

(vii) पेड़ के सारे पत्ते अभी से झड़ना शुरू हो गए।

(viii) बनारस में आम मीठे और रसीले होते हैं।

(ix) उस मित्र को कौन अच्छा कहता है जो धोखा करे।

(x) आप मुझे यह पुस्तक देने की कृपा करो।